

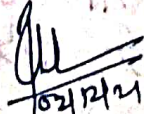
फर्द अहकाम

ज्येष्ठी वरुण ⁴ नाम उग्रारक्ती उकी क०

नाम न्यायालय

केस संख्या 10/2017

प्रा.पत्र 25/क

क्रम संख्या	दिनांक आह्रा या कार्यवाही	आह्रा विस्तृत रूप से	विशेष
		<p>1804 की किश्तों के निष्कर्ष पर किसी राज्य अर्थात् का कानून के निष्कर्ष प्रकरण सर्वप्रथम काइलफारी अधिनियम 1956 की धारा 183 का अन्तर्गत में लैन्से प्राथमिक का प्राथमिक-पत्र liable (निष्पत्ती) नहीं होने के डाकपीकट किया जाकर स्वामी किमा जाता है पत्रावाही केसों सुनार डीकट उप नम्बर के का है तथा दृष्टिकोण पत्र है</p> <p style="text-align: right;">  न्यायध </p> <p style="text-align: right;"> उ. न्यायाधीश अधिकारी जयपुर </p>	

